बृहस्पतिवार 34 साल से देहरादून का विश्वास
05 मार्च 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 40
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल
सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

देहरादून में शर्मनाक हरकत!

●रंग लगाने के बहाने लड़की से छेड़छाड़

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून की कानून व्यवस्था में इन दिनों अचानक ऊबाल आ गया है। पिछले 1 माह में अचानक यहा कई हत्याये हो चुकी है तो वहीं चोरी, लूट जैसे मामले भी बढ़ चुके है। बीते रोज होली के दिन रंग लगाने के बहाने दिनदहाड़ युवती से छेड़खानी कर दी गई। जब युवती और उसके दोस्त ने इसका विरोध किया तो छेड़खानी और अश्लील हरकत करने वाले दो युवक घर के भीतर तक घुस आए। विरोध करने पर मारपीट की गई और युवती पर भी हाथ उठाया गया। बाद में दोनों को अपने बचाव में युवती के परिवार वालों ने पीटकर बाहर खदेड़ा तो वही मनचले अपने मोहल्ले से भीड़ बुला लाए और पूरे परिवार के साथ जमकर मारपीट की गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

मामला थाना नेहरू कॉलोनी के अंतर्गत राजीव नगर का है। बताया जा रहा है कि युवती अपने घर के बाहर होली खेलने के बाद स्कूटी पर बैठी थी।

उसी दौरान दो व्यक्ति रंग लगाने की जिद करने लगे और मना करने पर छेड़खानी करने लगे। तभी युवती का दोस्त वहां आया और इसका विरोध करते हुए दोनों गेट के भीतर आ गए। लेकिन, मनचले व्यक्ति यहीं नहीं रुके और घर के भीतर घुस आए। इसके बाद जो कुछ भी हुआ, वह घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में आवाज के साथ रिकॉर्ड हो गया। बताया जा रहा है कि हद तो तब हो गई जब, छेड़खानी करने वाले दोनों व्यक्ति बड़ी संख्या में लोगों को लेकर युवती के घर में घुस आए और कानून को ताक पर रखकर पूरे परिवार पर हमला बोल दिया। युवती और उनके परिवार के मित्र को जब इस बात का पता चला तो वह तुरंत वहां पहुंचे और लोगों को समझाने की कोशिश की।

आरोप है कि उग्र भीड़ और छेड़खानी करने वाले व्यक्तियों ने उनके साथ भी अभद्रता की। इस मामले में पीड़ित परिवार और उनके परिचितों ने मेडिकल करवाया है। साथ ही पुलिस को तहरीर दी है। बताया जा रहा है कि पुलिस मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश थानाध्यक्ष संजीत कुमार को दिए हैं।

चुनावी साल में नेताजी नहीं चूकना चाहते हैं कोई भी मौका

'आमजन' चुनावी साल में 'देवतुल्य'

●चुनावी साल में नेताओं को आखिरकार आ ही गई जनता की याद
●किसी न किसी बहाने दे रहे हैं नेताजी जनता की 'चौखट' पर दस्तक
●शुभकामना सदेशों, होली मिलन समारोहों में दिखाया अलग अंदाज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजनीति भी क्या गजब चीज है। क्योंकि यहां सब चलता है। प्रजातंत्र में जनता को चार साल तक घंटों लाइन में खड़ा रखने वाले नेताओं के लिए आमजन कब 'देवतुल्य' हो जाये पता नहीं चलता है। यही तो असली 'राजनीति' है भाई। चुनाव आते ही नेताओं को जनता की याद आ जाती है और वह जनता की चौखट पर जाकर उसे ही अपना सब कुछ मान लेते हैं।

सूबे में विधानसभा के चुनाव होने वाले है और नेताओं की सक्रियता देखी जा सकती है। चुनावी साल में अगर जनता को समय पर याद नहीं किया गया तो जनता नाराज हो जाएगी और जनता के रूठने का नेताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए कोई भी नेता जनता से 'पंगा' नहीं लेना चाहता है और किसी न किसी बहाने जनता की 'चौखट' पर दस्तक दे रहा है। छोटा हो या बड़ा कार्यक्रम नेताजी उसमें शामिल होकर जनता को सबसे बड़ा शुभचिंतक प्रदर्शित कर रहे हैं।

चुनावी साल में नेताजी कोई भी मौका नहीं चूकना चाहते हैं। होली तो नेताओं के लिए लंबा आयोजन था जनता के साथ घुलने-मिलने का और नेताओं ने इसका भी पूरा फायदा लिया। होली की शुभकामनाओं से लेकर घर-घर दस्तक और होली मिलन समारोहों के बहाने जनता के बीच 'पैठ' बनाने की हर

छोटी-बड़ी चाल चली गई और यह प्रदर्शित किया गया कि हम ही हैं आपके असली शुभचिंतक।

होली पर राजनीति के 'रंग' कुछ अलग ही दिखे। यह पहली बार नहीं हुआ है, ऐसा तो लंबे समय से होता आया है। लेकिन इस बार नेताओं ने जनता को चुनाव से पहले ही 'देवतुल्य' बना दिया है। होली के बहाने इसके कई उदाहरण दिखे। शुभकामना संदेशों, होली मिलन समारोहों में नेताजी आमजन से ऐसे मिल रहे थे, जैसे कि इन्हीं से ही उनकी नैया पार लगाई होगी। क्योंकि चुनाव के साल में यह सब 'ड्रामा' नहीं किया गया तो आने वाले समय में देवतुल्य जनता नाराज हो जाएगी।

चार साल तक जनता को कीड़े-मकोड़े समझने वाले नेताजी जनता की और मधुमखियों की तरह आजकल इसलिए आकर्षित नहीं हो रहे हैं, क्योंकि विधानसभा चुनाव में किस नेता को टिकट मिल जाए पता नहीं। इसलिए जनता के बीच पैठ तो बनानी ही पड़ेगी। आपको बता दूं कि अभी बीते चार साल तक नेताजी आमजन का फोन उठाने में अपनी तौहीन समझते थे मिलना तो बहुत दूर की बात है। नेताजी से मिलने के लिए आमजन मीलों पैदल चलकर,घंटों लाइन में रहकर, भूखे और प्यासे रहकर कई-कई दिनों तक नेताजी आमजन को दर्शन तक नहीं देते थे। नेताजी के लिए आज वहीं आमजन देवतुल्य बन गए है। आने वाले विधानसभा चुनाव में आमजन नेताजी के चार साल की बेरूखी को याद रखते हैं या नहीं यह तो आने वाले समय में पता चलेगा, लेकिन कुछ समय के लिए ही सही नेताजी की जनता से 'देवतुल्य' मित्रता कुछ सुकून तो दे रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़े संकट की आशंका

भले ही इजराइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को चार-पांच दिन में समाप्त करने का मंसूबा पाला हुआ था लेकिन इजराइल और ईरान के बीच समझौता वार्ता के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस युद्ध की शुरुआत तो कर दी लेकिन सिर्फ पहले 5 दिन में ही अब ट्रंप और इजरायल के नेताओं को यह पता चल गया है कि ईरान को हराना उनके लिए कितना मुश्किल और ईरान की टॉप लीडर शिप का खात्मा करने की जो गलती उन्होंने की है वह अब उन पर कितनी भारी पड़ने वाली है। ईरान की रणनीतिक और युद्ध की तैयारियों ने उन्हें उनकी ताकत का एहसास बखूबी कर दिया है मिडिल ईस्ट के दर्जन भर जिन देशों को उनकी सुरक्षा की गारंटी के नाम पर अमेरिका द्वारा अपने एयरवेस बनाए गए थे उन्हें ईरानी मिसाइलों ने तहस-नहस कर दिया है। एक के बाद एक घटित होने वाली घटनाओं ने अमेरिका के पिट्ठू बने इन तमाम देशों का यह भ्रम तोड़ दिया है कि अमेरिका उनकी रक्षा नहीं कर सकता। 5 दिन में ही हालात ऐसे हो गए हैं कि वह अब मध्य पूर्व के 14 देशों में अपने नागरिकों से तुरंत देश छोड़ने को कहा जा रहा है इन दिनों में अमेरिका के दूतावासों पर ताले लटक चुके हैं तथा इन दिनों में फंसे अमेरिकी नागरिक कैसे वापस देश लौटे यह तक बताया नहीं जा रहा है। इस युद्ध पर होने वाले प्रतिदिन के भारी भरकम खर्च के बाद भी वह ईरानी मिसाइल के हमलो के आगे नहीं टिक पा रहा है। दूसरी ओर ईरान के समर्थन में खड़े होने वाले रूस और चीन जैसे बड़े देशों के साथ श्रीलंका जैसे छोटे देश भी आ गए हैं जो ट्रंप के टैरिफ वार से आहत और प्रभावित थे वह अब सब ईरान के पाले में आकर खड़े हो गए। बात अगर भारत की की जाए तो वह अभी तक इजरायल के पक्ष में ही झुका हुआ है जिसे तमाम विशेषज्ञ अनेक कारण बताकर इसे गलत ठहरा रहे हैं। कुल मिलाकर अब इस बात की आशंकाएं जताई जा रही है कि यह युद्ध बहुत जल्द समाप्त होने वाला नहीं है और यह भी आशंकाए जताई जा रही है कि इसकी विभिषिका उस परमाणु युद्ध तक भी जा सकती है जो कि दुनिया से परमाणु युद्ध के खतरे को कम करने के नाम पर डाला जा रहा है या शुरू किया गया है। भले ही यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का रूप लेने तक पहुंचे न पहुंचे लेकिन जिस तरह पूरे विश्व की महाशक्तियां इस समय दो खेमों में बट् चुकी है उसके दूरगामी परिणाम होने तय है। इस समय चल रहे इस युद्ध की तात्कालिक और दीर्घकालिक परिस्थितियों पर अगर गौर किया जाए तो एशिया के तमाम देश जिसमें भारत भी शामिल है इस युद्ध के परिणाम के प्रभाव से नहीं बच सकता है। तमाम देशों में आने वाले बड़े संकट के रूप में तेल की कीमतों में होने वाली संभावित कमी को देखा जा रहा है। ईरान द्वारा जिस तरह से तेल की रिफाइनरियों और यातायात मार्ग को निशाने पर लिया जा रहा है उसे देखते हुए इस संभावना से इन्कार भी नहीं किया जा सकता है। ईरान द्वारा होर्मूज स्टेट को जिसे चल डमरू मध्य कहा जाता है की नाकेबंदी किए जाने पर तमाम देशों की तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित होगी भारत को मिलने वाले तेल का 40 फीसदी इस मार्ग से आयात होता है अमेरिका के टैरिफ दबाव में भारत रूस से आयात होने वाले 20 लाख बैरल तेल की मात्रा पहले ही घटाकर 11 लाख बैरल कर चुका है। बात सिर्फ तेल संकट की तक नहीं है युद्ध के कारण विश्व भर के देश की और एवियेशन कंपनियों की कमाई पर भारी प्रभाव पड़ रहा है। वही टूरिज्म सेक्टर को भी भारी नुकसान हो रहा है। खाद्य वस्तुओं तक की आपूर्ति पर इसका प्रभाव पड़ेगा अगर यह युद्ध लंबा खिचता है तो तमाम देशों को कई बड़े संकटों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

जंगलों में लगी आग से गौशालाओं को खतरा

हमारे संवाददाता

चमोली। गर्मी का सीजन शुरू होते ही जंगलों में आग लगनी शुरू हो चुकी है। ताजा मामला चमोली जिले के थराली के जंगलों में सामने आया है। यहां भीषण आग लगने से 20 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र जलकर राख हो गए हैं। चेपड़ों गांव की गौशालाएं भी आग की जद में आ गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। बता दें कि उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ वन प्रभाग के अंतर्गत मध्य पिंडर रेंज के जंगलों में भीषण आग लगी है। चेपड़ों और सौगांव गांवों के जंगल इस आग की चपेट में आ गए हैं, जिसने तेजी से फैलते हुए खाड़ीबगड़, सौगांव जूनिधार और गोठिंडा के वन क्षेत्रों को भी अपनी जद में ले लिया है। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी लपटें 50 मीटर तक ऊंची उठ रही हैं और 20 फीट तक की ऊंचाई तक पहुंच रही हैं। आग ने अब तक लगभग 20 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र को जलाकर राख कर दिया है। चेपड़ों गांव की गौशालाएं भी आग की जद में आ गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। आग की लपटें ऊपर की ओर जूनिधार गांव तक पहुंच गई हैं, जिससे ग्रामीण आबादी के लिए भी खतरा बढ़ गया है। खड़ी चट्टानों और घने चीड़ के लीसे वाले जंगलों के कारण आग पर काबू पाना अत्यंत कठिन साबित हो रहा है।अग्नि शमन कर्मचारियों और वन विभाग की टीमें आग बुझाने के लिए युद्धस्तर पर जुटी हुई हैं, लेकिन खड़ी चट्टानों और आग की प्रचंडता के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

निर्माणाधीन न्यायालय एवं आवासीय भवन का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने तहसील कांडा का औचक निरीक्षण कर कार्यालय व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की गहन जांच की।

आज यहां जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने तहसील कांडा का औचक निरीक्षण कर कार्यालय व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका, डिस्पैच रजिस्टर, पत्र प्राप्ति रजिस्टर सहित विभिन्न अभिलेखों का परीक्षण किया। इस दौरान कार्यालयीय कार्यों में लापरवाही एवं कर्मचारियों की अनुपस्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार से लेकर तहसील कांडा के अनुपस्थित कर्मचारियों के वेतन आहरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील परिसर स्थित कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गईं। कंट्रोल रूम का फोन भी कार्य नहीं कर रहा था, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड कर्मियों के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी तहसीलदार के कार्यालय में देर से पहुंचने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया तथा उनके वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। आरके सेक्शन में अभिलेखों की जांच करते हुए जिलाधिकारी ने विभिन्न पंजीकाओं, आपदा मद में वितरित धनराशि से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण किया। साथ ही जीपीएफ एवं सेवा पुस्तिकाओं के संधारण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। दस्तावेजों का समुचित संधारण न होने पर उन्होंने बिलों एवं भुगतान से जुड़े अभिलेखों की गहन जांच कर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त अलाव के लिए उपयोग में लाई गई लकड़ी तथा कंबल वितरण से संबंधित बिलों का भी परीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने पेशकार से केस डायरी का अवलोकन करते हुए सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील परिसर के समीप निर्माणाधीन न्यायालय भवन एवं आवासीय भवन की प्रगति का भी जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आमजन को समयबद्ध और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान प्रभारी तहसीलदार जगदीश गिरी तथा तहसील परिसर के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात सुधार के साथ- साथ आम जन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध एसएसपी

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने कहा कि यातायात सुधार के साथ-साथ आम जन की सुरक्षा के लिए वह प्रतिबद्ध हैं।

आज यहां एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा शहर के व्यस्ततम मार्गो/ चौराहों का भ्रमण कर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा रिस्पना चौक, कारगी चौक, आईएसबीटी आदि क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा उक्त स्थानों पर यातायात के दबाव को कम करते हुए यातायात के सुचारू संचालन हेतु उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। रिस्पना चौक के निरीक्षण के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा रिस्पना पुल पर बने ऑटो स्टैण्ड व उसके सामने बने डिवाइडर के कारण रिस्पना चौक पर यातायात का दबाव बढने के दृष्टिगत सम्बन्धित विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए उक्त डिवाडर को थोडा पीछे करने हेतु उपस्थित अधिकारियो को निर्देश दिये गये, जिससे चौक पर उक्त मार्ग के चौडा होने से यातायात के दबाव को कम किया जा सके। आईएसबीटी पर यातायात व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान एसएसपी दून द्वारा उपस्थित अधिकारियों को वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खडा करवाने, सडक किनारे नो पार्किंग जोन में खडे वाहनों को क्रेन के माध्यम से टो करने तथा सडक पर सवारी उतराने/चढाने वाली बसों/अन्य सवारी वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा चौकी आईएसबीटी के बाहर खडे सीज वाहनों के लिये स्थान चिन्हित कर उक्त वाहनों को शिफ्ट करने के निर्देश दिये गये, जिससे उक्त स्थानों पर वाहनों का सुगमता से आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। आईएसबीटी चौकी में निरीक्षण के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा अपनी समस्याओं को लेकर चौकी पर आये शिकायतकर्ताओं से वार्ता कर उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई तथा आमजन की शिकायतों/समस्याओ के प्रति संवेदनशील रहते हुए उन पर त्वरित कार्यवाही हेतु उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। कारगी चौक के निरीक्षण के दौरान यातायात व्यवस्था के बेहतर संचालन हेतु चौक पर बने पुलिस बूथ को थोडा पीछे करने तथा चौक व उसके आस-पास सडक पर अनावश्यक रूप से वाहनों को न खडा होने देने के उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये गये, साथ ही आईएसबीटी व उसके आस-पास के क्षेत्रों में यातायात के दबाव को कम करने के लिये यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले खासकर सडक पर अनावश्यक रूप से वाहन खडा कर यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी यातायात, सम्बन्धित क्षेत्रों के थाना प्रभारी व यातायात निरीक्षक मौजूद रहे।

अब गाड़ी गांव में भी नहीं बिकेगी शराब

चमोली (आरएनएस)। चमोली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शराब बंदी की मुहिम चल पड़ी है। एक के बाद एक गांव में लोग खुली बैठक में शराबबंदी का निर्णय ले रहे हैं। इसी क्रम में दशोली विकासखंड के गाड़ी गांव में भी शराब को प्रतिबंधित कर दिया गया है। गाड़ी गांव में हुई ग्रामीणों की खुली बैठक में शराबबंदी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। ग्राम प्रधान मंदोधरी देवी और महिला मंगल दल अध्यक्ष शांति देवी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि गांव के किसी भी शादी विवाह या सार्वजनिक कार्यो में शराब प्रतिबंधित रहेगी। शराब परोसने वाले परिवार पर 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। शराब पीकर गांव में आने और माहौल बिगाड़ने वाले व्यक्ति पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। महिलाओं ने कहा कि शराब पीने और पिलाने वाले परिवार व व्यक्ति से सख्ती से निपटा जाएगा। जरूरत पड़ने पर इसमें पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा। बैठक के बाद महिलाओं ने गांव में जागरूकता रैली भी निकाली बैठक में सरपंच पुष्पा देवी, चंदा देवी, मंगला देवी, हेमा देवी, जमुना देवी, जेठुली देवी, रामेश्वरी देवी, उर्मिला देवी, असाड़ी देवी, रजनी देवी, आशा देवी, कमला देवी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने बनाई कमेटी, सुंदर सिंह बने अध्यक्ष

आदिबदरी। तहसील के गांवों में बढ़ते शराब के प्रचलन को रोकने की मुहिम चल रही है। बेड़ी के ग्रामीणों ने भी शराब के प्रचलन का विरोध किया। इसके लिए एक कमेटी का गठन करते हुए सुंदर सिंह को अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

ग्राम प्रधान बेड़ी मल्ली जयेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए कहा कि गांव में आयोजित शादी-समारोह में शराब परोसने और पीने पर प्रतिबंध रहेगा। जहां भी शराब परोसी जाएगी उन पर 25 हजार का जुर्माना लगेगा। जुआ खेलने वालों पर पांच हजार रुपये, अवैध शराब बेचने वालों पर ५० हजार रुपये का जुर्माना तथा सामूहिक रूप से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सामाजिक विकृतियों को रोकने के लिए ग्रामीणों ने कमेटी का गठन करते हुए सुंदर सिंह को अध्यक्ष, बीना देवी सचिव, देवेश्वरी देवी कोषाध्यक्ष और रामी देवी, मंजू देवी, चंदर सिंह, आनंद सिंह को सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में सतेश्वरी देवी, धनुली देवी, कमला देवी, नम्रता देवी, बीना देवी, माहेश्वरी देवी, कामेश्वरी देवी आदि मौजूद थे।

पीजी कॉलेज में किया जाए विषयों का संचालन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पीजी कॉलेज पुरोला में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में दर्जनभर महत्वपूर्ण विषय खोले जाने की वर्षों पुरानी मांग को लेकर छात्र-छात्राओं ने आंदोलन की चेतावनी दी है। छात्र संगठन ने मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा है। स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो कक्षाओं में ताला जड़कर धरना-प्रदर्शन और उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में कहा गया है कि महाविद्यालय में कई आवश्यक विषय संचालित नहीं हैं जिससे विद्यार्थियों को अपनी पसंद के विषय चुनने में कठिनाई हो रही है। मनचाहे विषयों की पढ़ाई के लिए छात्रों को देहरादून और उत्तरकाशी जैसे शहरों की ओर जाना पड़ रहा है। छात्रों के अनुसार स्नातक स्तर पर भूगोल, संस्कृत, चित्रकला और गृहविज्ञान, तथा स्नातकोत्तर स्तर पर इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, समाजशास्त्र, भौतिक विज्ञान और गणित जैसे विषय उपलब्ध नहीं हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुरूप विषय चयन का अवसर नहीं मिल पा रहा है। महाविद्यालय पुरोला विधानसभा क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है जहां पुरोला, मोरी और नौगांव जैसे दूरस्थ क्षेत्रों से छात्र-छात्राएं अध्ययन को आते हैं। इसके बावजूद विषयों की कमी के कारण कई विद्यार्थियों को अन्यत्र जाना पड़ रहा है या समझौता कर पढ़ाई करनी पड़ रही है। छात्रसंघ अध्यक्ष गोविंद चौहान ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो छात्रसंघ अभिभावकों के साथ उग्र आंदोलन करेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में छात्रसंघ उपाध्यक्ष सलोनी राठौर, रीतिक चुनार, चंद्रकांता रावत, आयुष कुमार, समीर, अनिल चौहान, वंदना, दीपिका रावत, अंजली आदि थे।

वार्ता के लिए पहुंचे अधिकारी, नहीं माने ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। विकासखंड खिर्सू के सुमाड़ी गांव में बन रहे एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) के स्थायी परिसर का निर्माण कार्य दूसरे दिन भी ठप रहा। प्रशासन की मौजूदगी में ग्रामीणों व निर्माणदायी कंपनी के अधिकारियों के बीच वार्ता का प्रयास किया गया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकल पाया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तनातनी हो गई। श्रीनगर तहसीलदार दीपक भंडारी और कार्यदायी संस्था सेम इंडिया के जीएम संतोष प्रसाद व एडवाइजर परमानंद चतुर्वेदी धरने पर बैठे ग्रामीणों से वार्ता के लिए पहुंचे लेकिन दोनों पक्षों के बीच शुरुआत से ही तनातनी हो गई। विवाद बढ़ने पर वार्ता बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्थानीय श्रमिकों को बिना पूर्व सूचना और ठोस कारण के नौकरी से हटाया गया है। परियोजना के लिए गांववासियों ने भूमि निःशुल्क दी लेकिन अब रोजगार में स्थानीय लोगों की अनदेखी की जा रही है। तीन युवतियों को सेवा से हटाने के मुद्दे पर भी ग्रामीण आक्रोशित हैं। साथ ही निर्माण स्थल पर मलबे के निस्तारण और पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी के आरोप भी लगाए गए हैं।

डीएम के आदेश पर प्रशासन ने स्कूल की भूमि से कब्जा हटवाया

काशीपुर (आरएनएस)। डीएम के आदेश पर प्रशासन ने ग्राम भोगपुर में विद्यालय के नाम दर्ज भूमि पर शिक्षा विभाग को कब्जा दिलाया। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि गांव के खसरा संख्या ४०३ की भूमि पर किसी ग्रामीण ने अवैध कब्जा कर रखा था। शिकायत के बाद डीएम ने कब्जा हटवाने के आदेश जारी किए है। डीएम के आदेश पर तहसीलदार दलीप सिंह,प्रभारी बीईओ हरिबाबू निरंजन, राजस्व कर्मी, पुलिस टीम संग भोगपुर पहुंचे। वहां से अवैध कब्जा हटाकर शिक्षा विभाग को कब्जा दिलवाया। एसडीएम ने बताया कि शासकीय भूमि की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में है। किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या अनधिकृत कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बताया कि यह कार्रवाई विद्यार्थियों के हितों की रक्षा, विद्यालय की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से की गई है।

डेल्फिक यूथ आर्ट प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय जूरी होंगी भारत की सुलभा

कोटद्वार (आरएनएस)। काशीरामपुर मल्ला निवासी आर्टिस्ट सुलभा जोशी का चयन अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित डेल्फिक यूथ आर्ट प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय जूरी सदस्य के रूप में हुआ है। यह प्रतिष्ठित आयोजन बिश्केक किर्गिस्तान में होगा। इसमें २० देशों के कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। चयनित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ जूरी पैनल में रहकर मूल्यांकन करेंगे। सुलभा जोशी का जूरी सदस्य के रूप में चयन महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सुलभा जोशी वर्ष २०२४ में पायथियन एवं डेल्फिक सांस्कृतिक आंदोलन से जुड़ीं। इस अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच की स्थापना वर्ष २००० में हुई थी। हालांकि सुलभा जोशी का कला सफर इससे कहीं पहले शुरू हो चुका था। मात्र 22 वर्ष की आयु से ही वे कला क्षेत्र में सक्रिय रही है। उन्होंने भारत के विभिन्न हिस्सों में आर्ट प्रदर्शनी आयोजित कर सोलो शो प्रस्तुत किए। सुलभ जोशी की कला अभिव्यक्ति भारतीय परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और समकालीन दृष्टिकोण का सुंदर संगम मानी जाती है। उन्होंने वर्ष २००० में स्थापित मॉडर्न गेम्स सोसायटी ट्रस्ट के साथ कार्य करते हुए सचिव के रूप में योगदान दिया। २०२४ में वह जनरल सेक्रेटरी (आर्ट्स कैटेगरी) बनीं। दिसंबर २०२५ में डायरेक्टर ऑफ आर्ट्स पद पर पदोन्नत हुईं। २० देशों की भागीदारी वाले इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर जूरी सदस्य के रूप में सुलभा का चयन भारत की बढ़ती सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक कला मंच पर प्रभाव का जीवंत उदाहरण है।

सड़क और पुल के लिए आमरण अनशन पर बैठे ग्रामीण

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। सड़क निर्माण, नदी पर पुल निर्माण समेत कई लंबित मांगों के लिए ग्राम बड़ेथ, तालजामण, डुंगर, भटवाड़ी, जोला और पातियूं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण बसुकेदार में आमरण अनशन पर बैठ गए। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन भी भेजा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता आंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व में भी कई बार समस्याएं उठाई गईं लेकिन केवल आश्वासन मिला। धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ। कहा कि बीते वर्ष 28--29 अगस्त की आपदा के बाद से अब तक पुनर्निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। ग्राम बड़ेथ के बुगला तोक में प्रस्तावित मिनी स्टेडियम निर्माण लंबित है। बड़ेथ से भटवाड़ी सड़क का सर्वे होने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ। इसके अलावा बड़ेथ-जोला-उछोला मार्ग की घोषणा के बाद भी निर्माण शुरू नहीं हुआ। बष्टी से वेबनगर होते हुए डुंगर तक सड़क निर्माण, चंदन गंगा नदी पर पुल निर्माण और छेनागाड़ बाजार के पुनर्निर्माण की मांग भी शामिल है। अनशनकारियों ने क्षेत्र में नेटवर्क और बैंकिंग सुविधा की समस्या को भी प्रमुख मुद्दा बताया।

चंडीगढ़ इंटरनेशनल मैराथन में श्रीनगर की मीना रहीं द्वितीय

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। चंडीगढ़ प्रशासन एवं खेल विभाग की ओर से आयोजित प्रथम चंडीगढ़ इंटरनेशनल मैराथन में श्रीनगर की मीना कंडारी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। अब उनका लक्ष्य आर्मी की ओर से 17 से 19 अप्रैल को हेलंग पीपलकोटी से ऊखीमठ तक होने वाली सूर्य देवभूमि ट्रेल रन में प्रथम स्थान हासिल करना है। मीना कंडारी (47) मूल रूप से पौड़ी जिले की बछणस्यूं पट्टी के गहड़खाल गांव की निवासी हैं। यहां वह अपने परिवार के साथ आम्रकुंज में रहती हैं। मीना ने बताया कि गत एक मार्च को चंडीगढ़ में हुई मैराथन में देश-विदेश के लगभग ५० हजार से अधिक प्रतिभागियों ने रेस की विभिन्न श्रेणियों में हिस्सा लिया था। 42 किमी दौड़ की महिला आयु वर्ग प्रतियोगिता में वह द्वितीय रहीं और 75 हजार रुपये की पुरस्कार राशि जीती। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) पौड़ी जिले के सचिव केसर सिंह कोटियाल ने कहा कि शादी के 25 साल बाद भी मीना ने मैराथन में शानदार प्रदर्शन किया। इससे पूर्व वह उत्तराखंड सरकार व पर्यटन विभाग की ओर से पिथौरागढ़ में आयोजित 42 किमी आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन प्रतियोगिता में प्रथम, 21 किमी रुड़की मैराथन में द्वितीय व फरवरी माह में ही हुई अमृतसर मैराथन में पांचवां स्थान प्राप्त कर चुकी हैं।

वन भूमि पर बसे गांवों को राजस्व दर्जा देने की मांग तेज

हल्द्वानी(आरएनएस)। गौलापार क्षेत्र स्थित बागजाला में आयोजित अखिल भारतीय किसान महासभा की बैठक में वन भूमि पर बसे गांवों को राजस्व गांव का दर्जा देने की मांग प्रमुखता से उठी। धरना स्थल पर बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि बागजाला, बिंदुखत्ता, सुल्तानगरी, दानी बंगर, खोलिया बंगर समेत लालकुआं विधानसभा क्षेत्र के सभी वन खत्तों को राजस्व गांव घोषित करने का विधिसम्मत प्रस्ताव ९ मार्च से गैरसैंण में शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पारित किया जाए। भाकपा (माले) के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडेय ने आरोप लगाया कि वन भूमि वासियों को मालिकाना हक देने के मुद्दे पर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। यदि जनहित में गंभीरता है तो पूरे क्षेत्र के लिए ठोस प्रस्ताव लाया जाए। महासभा उपाध्यक्ष विमला देवी ने कहा कि बागजाला समेत दशकों से बसे गांवों को प्रस्ताव में शामिल किया जाए, अन्यथा चुनाव में जवाब मिलेगा। बैठक में गणेश राम, मीना भट्ट, पंकज चौहान सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

गढ़वाल विवि: 46 विषयों में 484 सीटों पर होंगे पीएचडी में प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में सत्र 2025-26 के लिए 11 संकायों के 46 विषयों में 484 सीटों पर पीएचडी में प्रवेश होगा। इस बार राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के आधार पर पीएचडी में प्रवेश होगा। विवि की ओर से पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गढ़वाल विवि के कृषि एवं संबद्ध विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, पृथ्वी विज्ञान, शिक्षा, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, कला एवं भाषाएं, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, प्रबंधन तथा विधि संकाय शामिल हैं। इन संकायों के भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, जैव प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी, हिंदी, समाजशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, पत्रकारिता, विधि और पर्यटन सहित 46 विषयों में शोध के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार इस सत्र में विश्वविद्यालय परिसरों, संबद्ध महाविद्यालयों तथा जेआरएफ श्रेणी सहित कुल 484 सीटों पर प्रवेश प्रस्तावित है। पात्रता के लिए अभ्यर्थी के पास न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों (आरक्षित वर्ग के लिए ५० प्रतिशत) के साथ स्नातकोत्तर उपाधि होना आवश्यक है। प्रवेश प्रक्रिया यूजीसी-नेट, सीएसआईआर-नेट, गेट, जीपैट, सीड, आईसीएमआर-नेट, डीबीटी-नेट, आईसीएआर-नेट अथवा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के स्कोर तथा साक्षात्कार के आधार पर संपन्न होगी। चयन में ७० प्रतिशत वेटेज परीक्षा स्कोर तथा ३० प्रतिशत साक्षात्कार को दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के दौरान अपने शोध प्रस्ताव की प्रस्तुति भी देनी होगी। विवि के जनसंपर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की तिथि 1 मार्च से 15 मार्च है। साक्षात्कार की तिथि संबंधित विभाग की ओर से अलग से घोषित की जाएगी। सामान्य, ईडब्ल्यूएस एवं ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) वर्ग के लिए आवेदन शुल्क ७०० रुपये तथा एससी, एसटी एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए ३५० रुपये निर्धारित है। सभी सूचनाएं केवल आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएंगी। डाक की ओर से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

फैटी लिवर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं ये फल

फैटी लिवर की बीमारी लिवर की कोशिकाओं में ज्यादा फैट जमा होने की वजह से होती है और इसमें लिवर सही तरह से काम करना बंद कर देता है। अगर समय रहते इसके उपचार पर ध्यान न दिया जाए तो यह लिवर फेल होने या लिवर कैंसर का कारण बन सकती है। स्वस्थ जीवनशैली और डाइट में फाइबर युक्त फलों को शामिल करके इस बीमारी के खतरे को प्राकृतिक रूप से कम किया जा सकता है।

चकोतरा

खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर यह फल फैटी लिवर के प्रभाव को कम करने में काफी मदद कर सकता है। चकोतरा में मौजूद विटामिन- सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स आपके लीवर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करते हैं। यही नहीं, इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को मजबूत करने के साथ-साथ शरीर की वसा को कम करने का काम करता है। चकोतरा के सेवन से ये 5 फायदे भी मिल सकते हैं।

एवोकाडो

फैटी लिवर से निपटने के लिए कई डॉक्टर मरीज की डाइट में एवोकाडो को शामिल करने की सलाह देते हैं। अच्छे कोलेस्ट्रॉल से भरपूर एवोकाडो को खाने का सुझाव उन लोगों के लिए दिया जाता है, जो नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर (ह्वस्नरु) से पीड़ित हैं। यह वसा या रक्त लिपिड को कम करने और लिवर को पहले की तरह स्वस्थ करने में मदद कर सकता है।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं और लिवर की बीमारियों, विशेष रूप से फैटी लीवर, के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा इनमें एंथोसायनिन और फाइबर जैसे खनिज भी मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रोल, लिपिड और ग्लूकोज के स्तर में सुधार करने में सक्षम हैं। इन तीनों के स्तर में गड़बड़ी होने से हृदय रोग और लिवर की समस्या पैदा हो सकती है।

अंगूर

अंगूर में रेस्वेराट्रॉल नामक खास तत्व मौजूद होता है, जो फैटी लिवर का खतरा कम करने में सहयोग प्रदान कर सकता है। अंगूर में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण की तरह काम करके लिवर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, फैटी लिवर वाले लोग डाइट में अंगूर को शामिल करने से पहले डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

सेब

यह फल भी लिवर के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें फाइबर होता है और यह लिवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद कर सकता है। फैटी लिवर का जोखिम कम करने में भी इस फल का सेवन काफी मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त सेब में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण फ्री रेडिकल्स को कम करके फैटी लिवर कोशिकाओं को ठीक करने में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

गर्भावस्था में धूम्रपान करना खतरनाक

गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान और शिशुओं की वृद्धि में आने वाली समस्याओं का एक सीधा संबंध है, लेकिन गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान का प्रभाव शिशुओं की हड्डियों के स्वास्थ्य और जीवन के विभिन्न चरणों में इनके फ्रैक्चर होने के खतरे के बारे में मिले साक्ष्य दुर्लभ और भिन्न है। यह कहना है शोधकर्ताओं का। स्वीडन के ऑरेब्रो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा, अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष से यह संकेत मिलता है कि गर्भावस्था के दौरान मां के धूम्रपान का संबंध एक साल की उम्र से पहले के दौर में हड्डियों के फ्रैक्चर होने से हैष् उन्होंने आगे कहा, षगर्भावस्था के दौरान सिगरेट के धुएं के संपर्क में आना वैसे तो बाल्यावस्था या युवावस्था के पहले चरण में फ्रैक्चर के जोखिम पर एक लंबे समय तक चलने वाला जैविक प्रभाव नहीं लगता हैष् शोध निष्कर्ष में कहा गया है कि इस अवधि के दौरान 377,97० फ्रैक्चर की पहचान (हर साल 1,००० लोगों में 11.8 की दर से) की गई। शोधकर्ताओं ने भाई-बहनों के बीच तुलना कर इसका भी विश्लेषण किया, ताकि इनसे प्राप्त अपरिमेय पारिवारिक कारकों (आनुवांशिक और पर्यावरणीय) के अनचाहे प्रभावों को नियंत्रित किया जा सके। मोटे तौर पर, गर्भावस्था के दौरान मां के धूम्रपान करने का संबंध बच्चों में हड्डियों के फ्रैक्चर होने से हैं, जिसकी संभावना सबसे ज्यादा एक साल की आयु के पहले तक के दौर में होती है, लेकिन इसका प्रभाव बचपन से लेकर पांच साल की आयु व 32 साल तक की उम्र तक रहता है। माताओं में से 377,367 ने अपनी गर्भावस्था के प्रारंभिक चरणों में धूम्रपान किया था, जबकि 1,3०2,94० महिलाओं ने ऐसा नहीं किया था। जन्म से लेकर 21 वर्ष की औसत आयु (अधिकतम 32 साल) तक इसके नतीजे को देखा गया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गले की खराश और दर्द से राहत पाने के लिए आजमाएं ये घरेलू उपाय

मौसम में बदलाव के कारण कभी-कभी हमें गले में खराश और दर्द महसूस होता है। गले में खराश आना एक आम समस्या होती है, इसके चलते हमें खाना निगलने और पानी पीने में परेशानी भी हो सकती है। गले में हो रहे पेन और इचिंग का कारण टॉन्सिल्स साबित होते हैं। गला खराब होने की वजह से जुखाम होने की संभावनाए बढ़ जाती है। जिसकी वजह से शरीर का तापमान बढ़ सकता है और वो बुखार का रूप ले लेता है। आइए जानते हैं सेर थ्रोट की वजह और इससे बचने के कुछ घरेलू उपाय।

अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल के ई एन टी स्पेशलिस्ट डॉ हरिहरा मूर्ति का कहना है कि अधिकतर टॉनसिल्स के बनने से गले में दर्द और खराश जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। उनका कहना है कि नोज़ ग्रोथ और नेज़ल प्रॉब्लम की वजह से आपको गले में खराश का सामना करना पड़ सकता है।

जानते हैं कि सोर थ्रोट होने का कारण क्या है।

1। मुंह से सांस लेना

डॉ हरिहरा मूर्ति के अनुसार रात को सोते समय स्नोरिंग के कारण लोग मुंह से सांस लेने लगते हैं, इससे गले में जमने वाले बैक्टिरीया से भी गला दर्द या खराश होने की समस्या हो सकती है।

2। गले में ड्राईनेस होना

डॉ मूर्ति बताते हैं कि सफिशेंट पानी या लिक्विड चीजे ना खाने से गले में रूखापन आने लगता है। जो गले में दर्द का कारण बन सकता है।

3। वायरल इंफेक्शन

मौसम में बदलाव आने के कारण शरीर पर संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। शरीर कमजोर होने के कारण ये संक्रमण आसानी से शरीर पर अटैक करता है। जो बढ़ते बढ़ते गले में खराश, सिरदर्द और बुखार का कारण बन जाता है।

4। चिल्लाना या तेज आवाज में बात करना

जब आप नॉर्मल आवाज में बात करते हैं तो आपकी वॉइस बॉक्स एक रिद्म में काम करता है लेकिन किसी भी तरह के तनाव के कारण जब आप जोर-जोर से चिल्ला के बात करते हैं तो आपको गले में दर्द महसूस होता है। गले में सूजन होने के कारण भी दर्द महसूस हो सकता है।

सोर थ्रोट होने के क्या लक्षण होते हैं?

हर बीमारी की तरह सोर थ्रोट होने पर भी कुछ लक्षणों का अनुभव कर सकते हैं, जिसमें मुख्य रूप से शामिल है-

1। गले के आस-पास खुजली होना

2। आवाज में बदलाव आना

3। आवाज भारी होना या गला बैठ जाना

4। बोलते समय गले में दर्द महसूस होना

5। गले में खिचखिट होना

गले में खराश के घरेलू उपचार

गले में खराश को ठीक करने के लिए कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जा सकता है जैसे-

1। गुनगुने पानी से गरारा

एक गिलास पानी को गर्म करके उसमें नमक डाल लें। फिर उस पानी से गरारा करें। इससे गले में होने वाले दर्द से आराम मिल सकता है।

2। गर्म पानी का सेवन करें

अगर आपको गले में खराश हो रहा है तो नॉर्मल या ठंडा पानी पीने के बजाए गर्म पानी पीएं। इससे गले की खिचखिच दूर होगी और दर्द में भी आराम मिलेगा।

3। नींबू पानी का सेवन करें

खराश होने पर नींबू पानी का सेवन करें, इसको पीने से आपके गले में नमी बनी रहेगी और खराश की समस्या नहीं होगी।

4। अदरक का सूप

अदरक में एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं जिससे दर्द और सूजन से राहत मिलती है। यह गले के दर्द में काफी फायदेमंद साबित होता है। अदरक को चाय में भी डालकर पीने से काफी आराम मिलता है।

कब करें डॉक्टर से संपर्क

अगर आपके गले की खराश एक सप्ताह से पुराना हो चुका है और अभी तक घरेलू नुस्खों से कोई फायदा नहीं हो रहा है या गले में खराश के लक्षण गंभीर हो रहें हैं तो ऐसे में आपको डॉक्टर यानी ईएनटी विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए। डॉक्टर आपके लक्षणों के मुताबिक उसका उपचार बताएंगे। खराश को लंबे समय तक नजरअंदाज करना और ज्यादा दिन तक घरेलू नुस्खे पर डिपेंड रहना उचित नहीं है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -063

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

मोहनलाल की दृश्यम 3 बॉक्स ऑफिस पर लाएगी तूफान!

मोहनलाल की दृश्यम 3 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस फिल्म में मीना, अंसिबा हसन और एस्थर अनिल जैसे स्टार्स भी हैं. फिल्म को लेकर काफी बज है. ये दृश्यम फ्रेंचायजी की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है. फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर भी खबरें हैं. फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर बेंचमार्क्स सेट करने की उम्मीदें हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम 3 पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाका करेगी. फिल्म के ओपनिंग डे पर 3 बड़े रिकॉर्ड बनाने की खबरें हैं. बता दें कि मोहनलाल ने पिछले साल 3 बड़ी फिल्में दी थी. इनमें से दो ने दुनियाभर में 200 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी. ऐसे में अब दृश्यम 3 को लेकर फैंस की उम्मीदें ज्यादा हो गई हैं.

फिलहाल इंडिया में एल2ः एम्पुरान मलयालम इंडस्ट्री की सबसे बड़ी ओपनर है. फिल्म ने 21 करोड़ की ओपनिंग की थी. अब दृश्यम 3 के इस आंकड़े को क्रॉस करने की खबरें हैं.

वहीं एल2ः एम्पुरान ने ओवरसीज मार्केट में धमाका कर दिया था. फिल्म ने 43 करोड़ का कलेक्शन किया था. विदेशों में, खासकर गल्फ कंट्रीज में मोहनलाल के टॉपक्लास स्टारडम की वजह से दृश्यम 3 के एल2ः एम्पुरान को पीछे छोड़ने की खबरें हैं. इसी के साथ ये फिल्म मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी इंटरनेशनल ओपनर का रिकॉर्ड बना सकती है.

वहीं एल2ः एम्पुरान ने दुनियाभर में 70.14 करोड़ कमाए थे. इस फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में कमाई के मामले में रिकॉर्ड सेट कर दिए थे. दृश्यम 3 के इस रिकॉर्ड को भी ब्रेक करने की उम्मीदें हैं.

मोहनलाल की दृश्यम 2013 में आई थी. इस फिल्म ने धमाका कर दिया था. फिल्म को बहुत पसंद किया गया था. इसके बाद 2021 में फिल्म का दूसरा पार्ट आया था. इसे भी बहुत पसंद किया गया था. फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी. अब दृश्यम 3 से फैंस को बहुत उम्मीदें हैं.

फर्जी 2 की शूटिंग के लिए बहुत उत्साहित हूं- शाहिद कपूर

शाहिद कपूर इस वक्त हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में घिरे हैं। यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल कर रही है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। वहीं कई फैंस शाहिद की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं, क्योंकि अभिनेता ने कुछ दिन पहले ही सीरीज से जुड़ी आधिकारिक पोस्ट साझा की थी। अब उन्होंने खुद फर्जी 2 को लेकर सबसे बड़ा अपडेट दे डाला है।

शाहिद ने पुष्टि की है कि वह बहुत जल्द फर्जी 2 की तैयारी में जुट रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले ही कुछ बिल्कुल अलग तरह की भूमिका में आ चुका हूं। मैं फिलहाल कॉकटेल 2 की शूटिंग कर रहा हूं। मैंने ओ रोमियो की शूटिंग खत्म होते ही इसकी शूटिंग खत्म कर दी थी। अब जब ओ रोमियो रिलीज हो चुकी है, तो मैं फर्जी 2 की शूटिंग शुरू करूंगा, जिसके लिए बहुत उत्साहित हूं।

शाहिद ने आगे कहा, मुझे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाना पसंद है, इससे एक अभिनेता के तौर पर खुद को तरोताजा करने में मदद मिलती है। इससे पहले सीरीज के निर्देशक राज एंड डीके ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, दूसरा दौर शुरू हो गया है। साथ में खूब सारे नोटों की तस्वीर साझा की थी। बता दें, अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फर्जी 2023 में आई थी जिसमें विजय सेतुपति, राशि खन्ना, केके मेनन जैसे सितारे थे।

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट से उठा पर्दा

इंतज़ार आखिरकार खत्म हुआ। पावरस्टार पवन कल्याण स्टारर और कल्ट कैप्टन हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी, बहुप्रतीक्षित फिल्म उस्ताद भगत सिंह, 26 मार्च, 2026 को दुनिया भर के थिएटर में रिलीज़ होने वाली है। फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन में है, और फैंस इसके रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

पवन कल्याण की एनर्जी पहले सिंगल, देखेंगे साला में ही साफ़ दिख रही है, जिसमें उनके ज़बरदस्त एक्शन मूव्स दिख रहे हैं। हरीश शंकर उस्ताद भगत सिंह के साथ अपनी पिछली ब्लॉकबस्टर गब्बर सिंह का जादू फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पावरस्टार फैंस और सभी उम्र के दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है।

फिल्म में टैलेंटेड कास्ट है, जिसमें श्रीलीला, राशि खन्ना, आर पार्थीबन, केएस रवि कुमार, एलबी श्रीराम, राव रमेश, रामकी और केजीएफ अविनाश शामिल हैं। टेक्निकल क्रू में म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर देवी श्री प्रसाद, एडिटर के तौर पर कार्थिका श्रीनिवास और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर आनंद साईं शामिल हैं।

अपने पावरफुल एंटरटेनमेंट और स्टार्स से भरी कास्ट के साथ, उस्ताद भगत सिंह के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है। 26 मार्च के लिए अपने कैलेंडर मार्क कर लें और पावरस्टार का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं। इसे मैथरी मूवी मेकर्स के तहत नवीन यरनेनी और रवि शंकर यालमंचिली ने प्रोड्यूस किया है।

अब प्रोड्यूसर बनेंगी नित्या मेनन

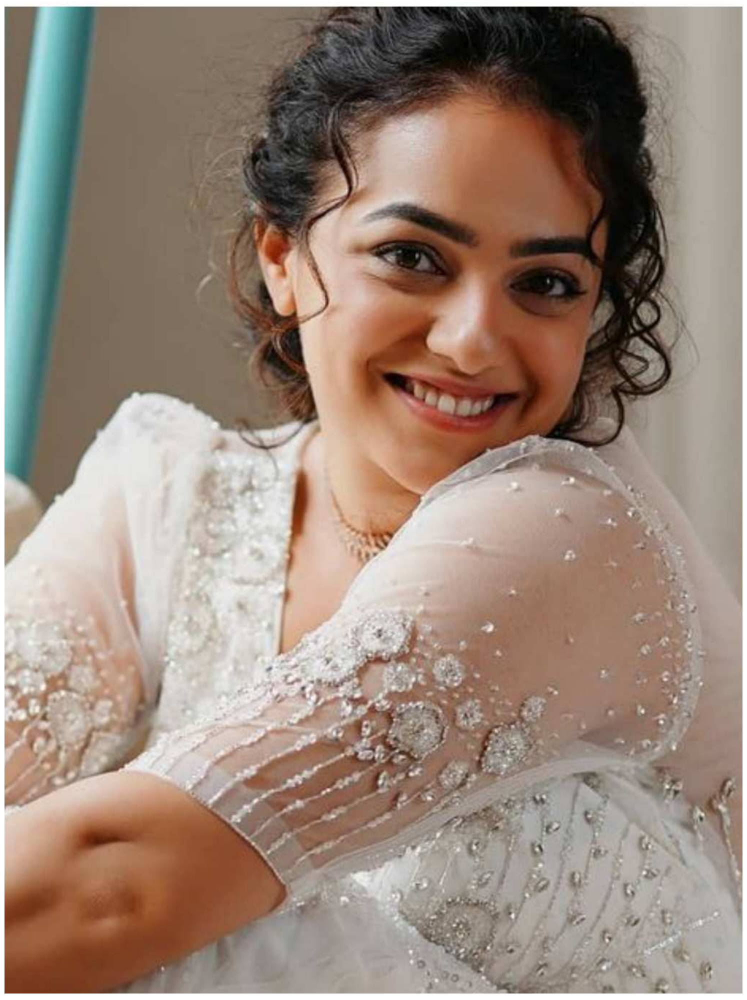

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है। अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।

वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म मिशन मंगल में नजर आई थीं।

मैंने मेहनत, पैशन और प्यार के साथ निभाया दिल धोखा और डिजायर में अपना किरदार : आकांक्षा चमोला

एक्ट्रेस और बिग बॉस 19 के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ओटीटी डेब्यू कर चुकी हैं। स्ट्रिमिंग प्लेटफॉर्म शेमारू मी की वेब सीरीज दिल धोखा और डिजायर में वह खास अंदाज में नजर आईं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। आकांक्षा ने बताया कि वह सही समय का इंतजार कर रही थीं। दिल धोखा और डिजायर से डिजिटल डेब्यू कर रहीं आकांक्षा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जताया है और कहा है कि वह अपने काम के चुनाव को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। आकांक्षा ने बताया, अपनी जर्नी के इस मोड़ पर ओटीटी स्पेस में कदम रखना बहुत खास लग रहा है। मैंने इस वेब सीरीज में बहुत मेहनत, पैशन और प्यार डाला है। उम्मीद है कि दर्शक मालिनी और उनकी जर्नी को उतनी ही प्यार से अपनाएंगे। सीरीज में आकांक्षा मालिनी का किरदार निभा रही हैं, जो कहानी का केंद्र है। मालिनी मजबूत होने के साथ कमजोर भी है, हिम्मत वाली है लेकिन उलझनों में भी फंसी है। आकांक्षा कहती हैं, यह रोल मुझे इमोशनली चैलेंज करता है। मालिनी रियल और कई कमियों वाली है।

उन्होंने आगे कहा, मैं सही स्क्रिप्ट और सही रोल का इंतजार कर रही थी और अब लगता है कि इंतजार सही था। मैं अपने काम को लेकर बहुत जागरूक हूं। इस कैरेक्टर ने मुझे क्रिएटिवली उत्साहित किया क्योंकि इसमें अलग-अलग शेड्स हैं। मेरा किरदार प्यार करने वाली, गुस्सैल, कमजोर, कभी-कभी मैनिपुलेटिव भी है। मालिनी आपको पसंद आएगी।

दिल धोखा और डिजायर एक दिलचस्प कहानी है, जहां प्यार जुनून में बदल जाता है और महत्वाकांक्षाओं की सभी सीमाओं को तोड़ देती है। यह प्यार, धोखा, आकर्षण, नियंत्रण और बदले के जटिल रिश्तों पर आधारित है। मालिनी का सफर कहानी में इमोशनल गहराई और नयापन जोड़ता है। सीरीज में आकांक्षा के साथ कुंवर अमर और अली हसन मुख्य भूमिकाओं में हैं। आकांक्षा ने हाल ही में छोटे पर्दे पर टीवी शो कैसे मुझे तुम मिल गए से वापसी की है।

एमिनेंट एक्सपर्ट टॉक में विद्यार्थियों को किया प्रेरित

कोटद्वार(आरएनएस)। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बल्ली में एमिनेंट एक्सपर्ट टॉक एवं रंगोत्सव का आयोजन किया गया। हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी देहरादून प्रदीप सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त प्रवक्ता मुकेश प्रसाद बहुगुणा रहे। अतिथियों एवं प्रधानाचार्य युगजीत चंद्र सेमवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत की। मुकेश प्रसाद बहुगुणा ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए सही दिशा में कार्य करना आवश्यक है। प्रदीप रावत ने विद्यार्थियों से अच्छे चरित्र का निर्माण, अच्छे मूल्यों के विकास का आह्वान किया। प्रधानाचार्य युगजीत चंद्र सेमवाल ने विद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। वहीं, रंगोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। धर्मेंद्र रावत की होल्यार टीम ने होली के पारंपरिक गीतों से समां बांधा। पीटीए संरक्षक जगदीश प्रसाद बेबनी, एसएमसी अध्यक्ष सुषमा रावत एवं पीटीए अध्यक्ष शुभा देवी उपस्थित रहीं।

मानव-भालू संघर्ष को कम करने के लिए सामुदायिक भागीदारी जरूरी

कोटद्वार(आरएनएस)। कालागढ़ टाइगर रिजर्व (केटीआर) वन प्रभाग, लैंसडौन के स्वागती केंद्र कोटद्वार में मानव-भालू संघर्ष पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें ब्लैक फुट चैलेंज मोंटाना के कार्यकारी निदेशक डॉ. सेथ एम विल्सन, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) डॉ. राजीव भरतरी ने मानव-भालू संघर्ष की रोकथाम से जुड़े अहम बिंदुओं पर चर्चा की। कहा कि सहअस्तित्व ही आगे बढ़ने का रास्ता है। मानव-भालू संघर्ष को कम करने के लिए सामुदायिक भागीदारी के साथ ही स्थानीय क्षमताओं को मजबूत करना आवश्यक है। केटीआर के डीएफओ तरूण एस, लैंसडौन वन प्रभाग कोटद्वार के डीएफओ जीवन मोहन दगाड़े, भारतीय वन सेवा प्रशिक्षु यस ढोबले, कार्बेट टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दुष्यंत शर्मा, पाखरो के रेंजर आशीष मोहन तिवारी आदि मौजूद रहे।

पार्किंग स्थल पर गंदगी फैलाने वालों पर छावनी बोर्ड सख्त

कोटद्वार(आरएनएस)। गुरुद्वारे के निकट स्थित पार्किंग स्थल पर गंदगी फैलाने पर छावनी परिषद ने टैक्सी, कार, वाहन समितियों को चेतावनी पत्र जारी किया है। छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी ने चेतावनी पत्र में कहा कि लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि गुरुद्वारे के निकट स्थित छावनी पार्किंग स्थल पर काफी गंदगी फैलाई जा रही है। पार्किंग स्थल पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए टैक्सी यूनियनों द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है। छावनी परिषद के सफाई निरीक्षक दीपक मिश्रा ने बताया कि चेतावनी पत्र में कहा गया है कि छावनी क्षेत्र में इन वाहनों से प्रवेश शुल्क व पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाता है। फिर भी इन यूनियनों के अधीन कार्यरत वाहन चालकों द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल व आसपास कूड़ा फेंक कर गंदगी फैलाई जा रही है। यह छावनी नियमों की अनदेखी है। चेतावनी पत्र जारी करने के बाद भी सुधार नहीं होने पर छावनी परिषद की ओर से कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

सू- दोकू क्र.063

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

वाहनों की पार्किंग से हाईवे पर लग रहा जाम

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर क्षेत्र में सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ की व्यवस्था न होने से स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। फुटपाथ पर वाहनों की पार्किंग से राहगीरों को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे राहगीरों के साथ दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

नगर के भीतर एनएच पर स्पीड ब्रेकर न होने से भी दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी हुई है। पौड़ी नेशनल हाईवे दुगड्डा नगर क्षेत्र के बीच से होकर गुजरता है। नगर क्षेत्र में पार्किंग की सुविधा न होने से पर्वतीय व मैदानी क्षेत्र से आने वाले पर्यटकों के वाहन हाईवे पर ही खड़े होने से हाईवे संकरा हो जाता है। इससे जाम की स्थिति बनी रहती है। राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर क्षेत्र में छह राजकीय व प्राइवेट विद्यालय हैं। इन विद्यालयों के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन हाईवे से होकर आवाजाही करते हैं। पीएचसी से गांधी चौक तक ढलान अधिक होने के कारण वाहनों की गति बढ़ जाती है। क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों पर स्पीड ब्रेकर न होने से बाजार क्षेत्र में भीड़ वाले स्थानों विशेषकर गांधी चौक में दुर्घटनाएं होने की आशंका बढ़ जाती है। सड़क पर बेतरतीब पार्क किए गए वाहन भी दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। एनएच पर पानी की निकासी के लिए नाली निर्माण न होने से बरसात में पानी सड़क में बहता रहता है, जिससे राहगीरों का पैदल चलना तक दूभर हो जाता है। विगत 23 फरवरी को पार्क के निकट तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो चुकी है। पुलिस व पालिका प्रशासन की ओर से भी एनएच खंड लोनिवि धुमाकोट को नगर क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों पर शीघ्र स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए अवगत कराया गया है।

नगर की प्रमुख सड़कों से अतिक्रमण नहीं हटने पर भड़का नागरिक मंच

कोटद्वार (आरएनएस)। नागरिक मंच की मासिक बैठक में नगर क्षेत्र की प्रमुख सड़कों से अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर गहरा रोष जताते हुए इसके विरोध में जल्द धरना प्रदर्शन शुरू करने का निर्णय लिया गया। व्यापार मंडल सभागार में नागरिक मंच के अध्यक्ष सीपी नैथानी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें मंच की पिछली बैठक में उठाए गए बिंदुओं पर नगर आयुक्त द्वारा वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित न किए जाने पर गहरा रोष जताया गया। नगर निगम प्रशासन अतिक्रमण हटाने, पार्किंग की व्यवस्था, आवारा पशु व कुत्तों के मुद्दे पर मौन है। बैठक में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाया गया स्टे खारिज होने पर खुशी जताई गई। इस मौके पर सरकार से मांग की गई कि व्यापक जनहित में तकनीकी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद शीघ्र रामनगर-कोटद्वार कंडी मार्ग व लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण शुरू कराया जाए। बैठक में नॉर्थ कार्बेट रिजॉर्ट की बदहाली पर पर्यटन विभाग व जिला प्रशासन की ओर से अभी तक प्रभावी कार्रवाई न होने पर गहरी नाराजगी जताई गई। इस प्रकरण में पर्यटन मंत्री से भेंट कर मामले को उनके संज्ञान में लाने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में गोविंद डंडरियाल, शंकर दत्त गौड़, देवव्रत काला, अरविंद धूलिया, हर्षवर्धन ध्यानी, केसीराम निराला, सुबोध देवरानी, हरीश चंद्र कुंडलिया, भारत मोहन काला, सुनील कोटनाला आदि ने विचार रखे। बैठक का संचालन महासचिव अतुल भट्ट ने किया।

बीडीसी बैठक में पेयजल, सड़क व बिजली के मुद्दे छाए रहे

कोटद्वार(आरएनएस)। ब्लॉक सभागार द्वारीखाल में क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक में पेयजल, सड़क व बिजली के मुद्दे छाए रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों की ओर से कुल 28 शिकायतें दर्ज कराई गई। इनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक प्रमुख बीना राणा ने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान ही पंचायत व्यवस्था की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल सके। बैठक में सबसे अधिक शिकायतें लोनिवि, पेयजल एवं ऊर्जा निगम से संबंधित रहीं। सड़क मरम्मत, पेयजल आपूर्ति बाधित होने और विद्युत आपूर्ति में अनियमितता जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे। लैंसडौन की एसडीएम शालिनी मौर्य ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीडीसी बैठक में दर्ज सभी शिकायतों का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए और इसकी सूचना शिकायतकर्ताओं को भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण करने और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ज्येष्ठ उप प्रमुख नीलम नैथानी, कनिष्ठ उप प्रमुख कौशल्या देवी, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह राणा, विक्रम सिंह, अर्जुन सिंह नेगी, बीडीओ जयकृत बिष्ट, लोनिवि दुगड्डा के ईई निर्भय सिंह, जल निगम के सहायक अभियंता बालम सिंह नेगी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में नहीं खुल पाई पुलिस चौकी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिला अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट व अभद्रता की घटनाओं को लेकर कई बार चर्चाओं में रहा है। अस्पताल स्टाफ लंबे समय से परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खोलने की मांग करता आया है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वर्ष 2017 में कोतवाली पुलिस उत्तरकाशी ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत अस्पताल परिसर में अस्थायी पुलिस चौकी स्थापित की थी। उस समय तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर से इसका विधिवत उद्घाटन भी किया गया था। हालांकि, बाद में किन्हीं कारणों से यह चौकी हटा दी गई। पिछले कुछ वर्षों में अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ के साथ अभद्रता और मारपीट की घटनाएं बढ़ी है। गत वर्ष इमरजेंसी वार्ड में रात के समय डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया था। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से स्थायी चौकी खोलने की मांग को फिर से प्रमुखता से उठाया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएस पोखरियाल के अनुसार, कई बार मरीजों के तीमारदारों की ओर से डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। बीते वर्षों में सामने आए मामलों के कारण अस्पताल स्टाफ खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि डॉक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस चौकी का प्रस्ताव काफी पहले पुलिस प्रशासन को भेजा जा चुका है लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है।

लामकंडे की नहर और स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग उठाई

नई टिहरी (आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं रखते हुए शीघ्र निस्तारण की मांग की।

कार्यक्रम में पेयजल, ग्राम पंचायत,विद्युत और वन विभाग से संबंधित समस्याएं अधिक दर्ज कराई गई। डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों को कार्यक्रम में उठाई गई समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में प्रतापनगर के ल्वारखा गांव से पहुंचे प्रेमलाल ने लंबगांव-बिजपुर-पुजारगांव-डोडग थापला मोटर मार्ग के लिए अधिग्रहण की गई जमीन का मुआवजा दिलाने की मांग की। प्रधान दिनेश सिंह रावत ने लामकंडे की की नहर और प्राथमिक स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग की।

भेटी की शीतला देवी ने अपनी मां जी की सहकारी समिति में जमा धनराशि दिलाने की मांग की। जाखणीधार व्यापार मंडल अध्यक्ष गुरु प्रसाद लसियाल ने जल जीवन मिशन के तहत जाखणीधार बाजार में बनाए गए 40 हजार लीटर क्षमता का पेयजल टैंक का भुगतान कराने की मांग की। खोला के प्रधान विरेंद्र लाल ग्राम पंचायत के जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराने पर ज्यादा बिल वसूलने का आरोप लगाया है। नरेंद्रनगर के कखील गांव निवासी संगीता देवी ने राशन कार्ड और जीराम जी मनरेगा जॉब कार्ड बनाने की मांग की। तल्ली बागी निवासी मो. आरिफ ने अपने आवास के समीप रिक्त भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग की।कंडियाल गांव के ग्रामीणों ने आपदा से क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत कराने की मांग उठाई। कार्यक्रम में 29 लोगों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई। डीएम ने संबंधित विभागों को जनता दरबार में उठाई गई समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सीडीओ वरुणा अग्रवाल, एसडीएम स्नेहिल कुंवर, सीएमओ डॉ. श्याम विजय और डीडीओ मो. आरिफ आदि मौजूद थे।

मोहन खत्री को दी जन्मदिवस की बधाई

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता मोहन खत्री को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी। आज यहां कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं अग्रणी राज्य आन्दोलनकारी, भारतीय रेडक्रास सोसायटी के कोषाध्यक्ष व समाजसेवी मोहन सिंह खत्री के जन्म दिन के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मोहन सिह खत्री को जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्री मोहन सिंह खत्री ने जिस प्रकार राज्य आन्दोलन में अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया उसी प्रकार वे आज भी रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से निरंतर समाज सेवा के कार्यों में लगे हुए हैं और समाज के गरीब से गरीब तबके तक सहायता पहुंचाने में मददगार साबित हो रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भगवान बद्रीविशाल से मोहन सिंह खत्री की स्वस्थ एवं दीर्घ आयु की कामना करते हुए कहा कि वे निरंतर समाज सेवा के अपने कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहें। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह, राजेन्द्र सिंह भंडारी, महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, प्रवक्ता डॉ0 प्रतिमा सिंह, अमरजीत सिंह, शीशपाल बिष्ट, अमेन्द्र बिष्ट, उर्मिला थापा, आशा शर्मा, निधि नेगी, चन्द्रकला नेगी, अनुराधा, सुनित सिंह राठौर, गिरिराज हिंदवान, सूरत सिंह नेगी आदि अनेक काँग्रेसजन उपस्थित थे।

महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन 8 मार्च को

संवाददाता

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित होने वाला महिला एथलेटिक्स एवं फन एक्टिविटी कार्यक्रम सुबह 7 बजे से प्रारंभ होगा। यह आयोजन युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय की इकाई माय भारत देहरादून एवं भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए तीन आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं जिनमें 13 वर्ष तक,13 से 18 वर्ष,18 वर्ष से अधिक। प्रत्येक आयु वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ आयोजित होंगी। इसके साथ ही फन एक्टिविटी के अंतर्गत रस्साकशी प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। सभी स्पर्धाओं में विजेता प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उपनिदेशक माय भारत देहरादून मोनिका नांदल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराना है।वे mybharat.gov.in पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन पूरा करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री के जन्मदिवस पर गणेश जोशी ने किया पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिवस पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने पौधारोपण किया।

आज यहां प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिवस के अवसर पर उनके 'प्रतिदिन एक पौध रोपण' के संकल्प के क्रम में अपने शासकीय आवास पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में देश के किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसेवा के प्रति शिवराज सिंह चौहान का समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जैसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए।

इस अवसर पर सरकार में दायित्वधारी जगत सिंह चौहान, भाजपा नेता रामशरण नौटियाल, लक्ष्मण सिंह रावत, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष ठाकुर धीरेन्द्र सिंह, दीपक भट्ट आदि उपस्थित रहे।

2024-25 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 3,81,889 करोड़ रु. का रहा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने गुरुवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के बारे में बताया कि वर्ष 2024-25 में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) रू 3,81,889 करोड़ रहा, जो वर्ष 2021-22 में 2.54 लाख करोड़ रुपए थी। 2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना से ज्यादा का उछाल आया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में राज्य में प्रति व्यक्ति आय 194670 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,73,921 हो गई। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस वर्ष यह सर्वेक्षण नेशनल कांउसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर तैयार किया गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि वर्ष 2024-25 में ग्रोथ रेट 7.23 प्रतिशत रहा है। मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट वर्ष 2021-22 में 60.1 प्रतिशत था, वर्ष 2024-25 में 64.4 प्रतिशत है तथा यह रोजगार के क्षेत्र में 4.3 प्रतिशत की बढोत्तरी को दर्शाता है। उन्होंने बताया ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2001 में 0.247, वर्ष 2017 में 0.684, वर्ष 2021-22 में 0.718 जो अब बढ़कर वर्ष 2024-25 में 0.722 हो गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की कुल संख्या 59798 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 79394 हो गई है। उन्होंने एमएसएमई के अंतर्गत रोजगार पाने वालों की संख्या वर्ष 2022 में 343922 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 456605 हो गई है। राज्य में वर्ष 2021-22 तक लार्ज इंडस्ट्री की संख्या 107 थी जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 128 हो गई हैं। इसके साथ राज्य में वर्ष 2017 तक स्टार्टअप की संख्या शून्य थी, जो वर्ष 2021-22 में 702 थी तथा वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1750 हो गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई वर्ष 2021-22 में 50393 किमी थी, जो 2024-25 में बढ़कर 51278 किमी हो गई है। राज्य में 2022 तक 2 हेलीपोर्ट थे, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 7 हो गए। हेलीपेड की संख्या वर्ष 2021-22 में 60 थी जो वर्ष 2024-25 में 118 हो गई है। उन्होंने बताया कि प्राइमरी विद्यालयों में ड्रॉपआउट का अनुपात वर्ष 2021-22 में 1.64 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में 1.41 प्रतिशत हो गया है, जबकि सेकेंडरी विद्यालयों में यह अनुपात वर्ष 2021-22 में 7.65 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में 4.59 प्रतिशत हो गया है।

प्रमुख सचिव ने कहा कि राज्य में शासकीय एवं अशासकीय डिग्री कॉलेजों की संख्या वर्ष 2021-22 में 124 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 139 हो गई है। इसके साथ इजीनियरिंग कॉलेज गवर्नमेंट एवं प्राइवेट की संख्या वर्ष 2021-22 में 20 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 52 हो गई है। उन्होंने बताया राज्य में 2021-22 में कुल 5157 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन होता था, जो 2024-25 में यह उत्पादन बढ़कर 16500 मिलियन यूनिट हो गया है। जबकि कंजम्पशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी (विद्युत खपत) में बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2022 में बिजली की खपत 12518 मिलियन यूनिट थी, जो 2024-25 में बढ़कर 17192 मिलियन यूनिट हो गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि सोलर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन के क्षेत्र में राज्य में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। वर्ष 2021-22 में सौर ऊर्जा के माध्यम से 439 मेगावाट उत्पादन होता था, जो 2025 में बढ़कर 1027 मेगावाट हो गया है। उन्होंने बताया राज्य में शिशु मृत्यु दर (प्दिज डवत. जंसपजल त्जम) वर्ष 2021-22 में 22 था, जो 2024-25 में घटकर 20 पर आ गया है। इसके साथ मातृ मृत्यु दर वर्ष 2021-22 में 103 थी, जो 2024-25 में घटकर 91 पर आ गया है। इसके साथ ही राज्य में लाइफ एक्सपेटेंसी की उम्र 71.7 साल से बढ़कर 73 साल हो गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 में 97 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी जो अब शतप्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में धान और गेहूं उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई। राइस एवं व्हीट प्रोडक्शन वर्ष 2021-22 में 28.23 कुंतल प्रति हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 32.47 कुंतल प्रति हेक्टेयर पहुंच गया है। उन्होंने बताया वर्ष 2021-22 में औषधिया एंड एरोमैटिक प्लांट का एरिया कुल 900 हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 10 हजार हेक्टेयर पहुंच गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 तक 50.92 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन होता था, जो 2024-25 में बढ़कर 54.59 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। वहीं फिश उत्पादन में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। फिश उत्पादन वर्ष 2021-22 में कुल 7325 टन प्रति साल होता था, जो 2024-25 में बढ़कर 10487 टन प्रति साल हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में वर्ष 2021-22 में 8225 होटल/अदर स्टे थे जो 2024-25 में बढ़कर 10509 हो गए है। वहीं राज्य में 2021- 22 में 3935 होमस्टे थे, जिनकी संख्या 2024-25 में बढ़कर 6161 पहुंच गई है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि एसडीजी इंडेक्स में वर्ष 2021-22 में राज्य ने चौथा स्थान प्राप्त किया था, वहीं वर्ष 2023-24 में उत्तराखण्ड एसडीजी इंडेक्स की रेंक में प्रथम स्थान पर रहा। वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की जीएसडीपी 8.2 प्रतिशत अनुमानित है।

रंग लगाने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। होली खेलने के दौरान रंग लगाने को लेकर शुरू हुई मामूली कहासूनी ने हिसंक रूप ले लिया। जिसमें कई लोग घायल हो गये।

मामला पथरी थाना क्षेत्र के गांव बिशनपुर कुंडी का है। जानकारी के अनुसार, होली के मौके पर गांव में युवक एक-दूसरे को रंग लगा रहे थे। इसी दौरान रंग लगाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें करीब 50 से अधिक लोगों की भीड़ आपस में मारपीट करती दिखाई दे रही है। वीडियो में महिलाओं की मौजूदगी भी साफ नजर आ रही है, जिससे घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। मारपीट में घायल लोगों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि किसी की हालत गंभीर बताई नहीं जा रही है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पथरी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो के आधार पर झगड़ा करने वालों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है।

व्यय-वित्त समिति की बैठक में अमृत 2.0 के तहत सहस्त्रधारा पेयजल योजना को मंजूरी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में व्यय वित्त समिति की बैठक का आयोजन कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

आज यहां मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में व्यय-वित्त समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के विभिन्न जनपदों से संबंधित महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर विचार करते हुए उन्हें अनुमोदन प्रदान किया गया। अमृत 2.0 के ट्रांच-2 के अंतर्गत सहस्त्रधारा पेयजल योजना को स्वीकृति प्रदान की गई। इस योजना का क्रियान्वयन उत्तराखंड जल संस्थान द्वारा किया जाएगा। जनपद पौड़ी गढ़वाल के द्वारीखाल/एकेश्वर विकास खंड के अंतर्गत सतपुली बैराज के निर्माण (पुनरीक्षित) प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। जनपद नैनीताल के हल्द्वानी स्थित फायर स्टेशन में टाइप-द्वितीय, टाइप-तृतीय तथा टाइप-चतुर्थ श्रेणी के कुल आवासों के निर्माण को मंजूरी दी गई। जनपद देहरादून के डांडा लखौंड क्षेत्र में सहस्त्रधारा रोड पर शहरी विकास निदेशालय के कार्यालय भवन के निर्माण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। नगर निगम रुद्रपुर के मुख्य कार्यालय भवन के पुनर्निर्माण के कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन व्यवहारिक, मितव्ययी, पारदर्शी तथा गुणवत्ता-परक तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं के कार्य निर्धारित समयसीमा में तेजी से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने परियोजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान पारिस्थितिकी संतुलन का विशेष ध्यान रखने तथा योजनाओं को दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ (सस्टेनेबल) बनाने के उद्देश्य से कार्य करने के निर्देश भी दिए। बैठक में सचिव नितेश झा, शैलेश बगौली, एस.ए. अदांकी, युगल किशोर पंत सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम सविन बंसल का बड़ा एक्शन

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने राज्य के नोनीहालों एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ पर डीएम देहरादून का एक्शन रुड़की पहुंच सेंट्रल गोदाम पर छापेमारी कर गोदाम स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये।

आज यहां गोदाम में निरीक्षण के दौरान बाल श्रमिक मिले, डीएम ने गौदाम स्वामी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये। खजूर एवं केले के चिप्स पर मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायरी तिथि संदिग्ध पायी गयी। गढ़वाल एवं कुमाऊँ में आंगनबाड़ी केंद्र पर सप्लाई होने वाले अंडा एवं सामग्री की गुणवत्ता संदिग्ध मिली। कई सामग्री पर मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायरी तिथि का उल्लेख नहीं मिला। गोदाम का संचालन मानक के अनुरूप नहीं; गोदाम में टेंपरेचर मेंटेन कि कोई सुविधा नहीं है। दिसंबर व जनवरी के अंडे एवं अन्य खाद्य सामग्री मार्च माह में वितरित हो रही है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर राशन आपूर्ति हेतु डिस्पैच हो रहे वाहनों को रूकवाकर डीएम ने करवाई सेंपलिंग; टिहरी उत्तरकाशी एवं डोईवाला सामग्री लेकर वाहन निकलने वाले थे।

राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर राशन आपूर्तिकर्ता सेंट्रल गोदाम रुड़की में छापेमारी

जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल द्वारा माडी चौक रुड़की स्थित गढ़वाल कुमाऊं में आंगनबाड़ी केंद्र पर राशन आपूर्तिकर्ता सेंट्रल गोदाम पर छापेमारी। छापेमारी के दौरान उप जिलाधिकारी सदर हरी गिरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेंद्र कुमार, तहसीलदार सुरेंद्र देव, कानूनगो रुड़की संजय कुमार आदि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी सविन बंसल की राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों को सामग्री आपूर्ति करता गोदाम पर छापेमारी हुई। विभिन्न माध्यमों से आंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति की जा रही सामग्री की खराब गुणवत्ता के संबंध में शिकायत प्राप्त हो रही थी।

नाबालिग से जबरन 'धंधा' करवाने वाले 2 महिलाओं सहित 4 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नाबालिग से धंधा (अनैतिक देह व्यापार) कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 2 महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 3 मार्च को शिकायतकर्ता ने कोतवाली आईटीआई पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दिनांक 17 मई 2025 को उसकी नाबालिग पुत्री अचानक गायब हो गई थी, आज किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें सूचना दी कि उनकी नाबालिग लड़की हरियावाला में जाहिद के मकान में हिंदू महिला के साथ रह रही है और उन लोगों ने उसे बंधक बना रखा है और वह उसे जबरदस्ती देह व्यापार करवा कर उसका गैंगरेप भी करते हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर नाबालिग को जाहिद, शिवम, शोभा ओर सोमा के कब्जे से बरामद कर वादी की तहरीर पर धारा 65(1)/140(3)/143(1)/127(2) ठछै व 5/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

महिला को पीटने पर क्षेत्र में तनाव, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। होली के अवसर पर कोतवाली नगर क्षेत्र के व्यस्त लक्ष्मण चौक इलाके में एक सब्जी और फल बेच रही महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई है, जिसके बाद आसपास के इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मौके पर अतिरिक्त बल तैनात किया है ताकि हालात नियंत्रण में बने रहें।

पीड़िता लक्ष्मी देवी सोनकर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी ठेली पर बैठी हुई थीं, जब एक किशोर (लगभग 16-17 वर्षीय) ने उनसे फल खरीदे। कुछ देर बाद वही युवक

वापस लौटा और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उसने फल फेंके, थप्पड़ मारे और जान से मारने की धमकी दी। जब महिला ने विरोध किया तो युवक ने उन्हें धक्का देकर सड़क की ओर गिराने की कोशिश की और मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी युवक ने पहले भी उनकी मां के साथ इसी तरह की मारपीट की थी, लेकिन उस समय कोई कानूनी शिकायत नहीं दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सलीम निवासी शिव नगर कॉलोनी, कांवली रोड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना के बाद इलाके में माहौल गर्म होने लगा, जिसके कारण सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल को तैनात करना पड़ा। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

शादी के तीन महीने बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत, जांच शुरू

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में शादी के महज तीन महीने बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से सनसनी फैल गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतका कहकशा आलम का निकाह 19 नवंबर 2025 को देहरादून के रिस्पना नगर निवासी शहबाज आलम के साथ हुआ था। मृतका के भाई सलमान आसिफ, जो रुद्रप्रयाग के रहने वाले हैं, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शादी के समय उनकी ओर से ससुराल पक्ष की

❑आरोपः प्लॉट खरीदने के लिए 50 लाख रुपये की थी मांग

मांग के अनुसार दान-दहेज दिया गया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर कहकशा को लगातार प्रताड़ित किया जाने लगा। परिजनों के अनुसार, 18 फरवरी 2026 को कहकशा ने फोन पर बताया था कि उसके ससुराल वाले प्लॉट खरीदने के लिए 50 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। इसके बाद 3 मार्च की रात करीब 11 बजे भी उसने अपने मायके वालों को फोन कर कहा था कि पति और परिवार के अन्य सदस्य उस पर रुपये लाने का दबाव बना रहे हैं। परिजनों का कहना है कि उसी रात करीब 1:30 बजे ससुर यासीन का फोन आया और उन्होंने बताया कि कहकशा की तबीयत अचानक खराब हो गई है। सूचना मिलने के बाद परिवार देहरादून पहुंचा, जहां अस्पताल में पता चला कि महिला को ससुराल पक्ष मृत अवस्था में ही लेकर आया था। मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि पति शहबाज, सास खुशनुदा, ससुर यासीन, देवर सरताज और ननद शबनम ने दहेज के लालच में मिलकर उनकी बहन की हत्या कर दी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।